राम सिया संग आवजो थारी घणी करूला मनवार भजन लिरिक्स

राम सिया संग आवजो,

दोहा- राम नाम रटते रहो,
और जबतक घट में प्राण,
कभी तो दीनदयाल के,
भनक पडेगी कान।

तर्ज – लाल लंगोटो हाथ में सोटो।

राम सिया संग आवजो,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

केवट रे घर आविया रे,
केवट रे घर आविया ओ,
किनो भवसु पार,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

अंजनी सुत हनुमान ने ओ,
अंजनी सुत हनुमान ने,
थे दीनो भगती रो दान,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

शबरी रे घर आविया रे,
शबरी रे घर आविया,
कोई झूठा फल लिना खाय,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पधारो मारे आंगनीये।bd।

पत्थर री ऋषि नार ने जी,
पत्थर री ऋषि नार ने जी,
थे चरणा सु दिनी तार,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

तुलसीदास कथ गावता रे,
तुलसीदास कथ गावता,
ज्याने दर्शन दिना आय,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

आप पधारो रामजी रे,
आप पधारो रामजी,
थारी जुग जुग जोवु बाट,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

दास अशोक री विनती रे,
दास अशोक री विनती,
मारे सिर पर राखो हाथ,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

राम सिया संग आवजो,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये,
थारी घणी करूला मनवार,
पधारो मारे आंगनीये।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com